प्रातःकालीन प्रार्थनाएं

अपनी आँखें बंद करें

एक पल के लिए, क्लेश और शाप, पाप में गिरावट और शोक से सम्बन्धित दृश्यों के लिए अपनी आँखें बंद कर लें, जो अभी तक पाप के कारण प्रबल हैं, और अपने मन की आँखों के सामने परिपूर्ण पृथ्वी की महिंमा की तस्वीर को लायें। जहाँ पाप का एक भी दाग एक परिपूर्ण समाज के सद्भाव और शांति को दागदार नहीं करता है; न ही एक भी कड़वी सोच, न ही एक भी निर्दयी नजर या शब्द; जहाँ केवल प्रेम, प्रत्येक ह्रदय से उमड़ता है, और उसे हर दूसरे ह्रदय से समान (प्रेम भरी) प्रतिक्रिया मिलती है, और जहाँ उदारता हर कार्य को छू जाती है। वहाँ बीमारी और नहीं होगी; न ही पीड़ा, न ही दर्द होगा, न ही नाश होने का कोई सबूत होगा - यहाँ तक की ऐसी चीजों का कोई भय भी नहीं होगा। स्वास्थ्य और मनुष्य के रूप और सुंदरता की सभी तुलनात्मक तस्वीरों के बारे में सोचें, जिन्हें आपने कभी भी देखा है, और जानें की परिपूर्ण मानवता इन सब मनोहरताओं से भी कहीं बढ़कर है। भीतर की शुद्धता और मानसिक और नैतिक परिपूर्णता की मुहर और महिमा प्रत्येक उज्जवल चेहरे को दीप्तमान करेगी। ऐसा होगा उस समय की पृथ्वी का समाज; और शोक संतप्त लोगों के सब आँसू मिटा दिए जाएँगे, इस प्रकार से उन्हें पुनरूत्थान के कार्य के पूरा होने का एहसास होगा। प्रकाशितवाक्य 21:4